

बिहार: आकाशीय बज्रिली/तड़ित गरिने से सबसे ज़्यादा मौतें

चर्चा में क्यों?

भारत में 2017-2022 की अवधि के आँकड़ों की जाँच की गई और पाया गया कि आकाशीय बज्रिली गरिने से 1,624 लोगों की मौत हो गई तथा 286 घायल हो गए।

मुख्य बंदि:

- भारत मौसम वजिज्ञान वभिग (IMD) के वैज्ज्ञानकिों के अध्दयन के अनुसार्, लगभग सभी 1,624 मौतें ग्रामीण क्क्षेत्रों में हुईं और इनमें से अधकितर मृत्यु और हताहत की संख्या, लगभग 76.8%, दोपहर 12:30 बजे से शाम 6:30 बजे के बीच आकाशीय बज्रिली गरिने के कारण हुई।
 - अध्दयन में 1,577 मौतों के लयि लयि-पृथक डेटा की पहचान की गई। इन 1,577 मौतों में से 1,131 (71%) पुरुष थे। 11-15 वर्ष और 41-45 वर्ष के आयु वर्ग के ग्रामीण पुरुष वशिष रूप से असुरक्षति थे।
 - छह वर्ष की अध्दयन अवधि के दौरान बिहार में प्रत्येक वर्ष आकाशीय बज्रिली गरिने से औसतन 271 लोगों की मौत हुईं और 57.2 लोग घायल हुए।
 - राज्द की प्रति मिलियन वार्षकि दुर्घटना दर 2.65, राष्ट्रीय औसत 2.55 से अधकि थी।
 - मई से सतिंबर के बीच की अवधि आकाशीय बज्रिली गरिने के मामले में चरम पर थी और जून-जुलाई में आकाशीय बज्रिली गरिने से होने वाली 58.8% मौतें हुईं।
- शोधकर्त्ताओं ने बताया कि जून और जुलाई में मानसूनी धारा शुरू होने के साथ ही आकाशीय बज्रिली गरिने की घटनाएँ रकिॉर्ड स्तर पर पहुँच जाती हैं, जो मुख्द रूप से पूर्वी तथा पश्चिमी पवनों के संपर्क के कारण होती हैं।
- पृथ्वी वजिज्ञान मंत्रालय के अनुसार, बादल से ज़मीन पर आकाशीय बज्रिली गरिने से प्रत्येक वर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है और आकाशीय बज्रिली से होने वाली मौतों के मामले में बिहार मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के साथ शीर्ष तीन सबसे अधकि प्रभावति राज्दों में से एक है।
- मैदानी क्क्षेत्र में तूफान और आकाशीय बज्रिली गरिने की संभावना रहति है क्यौंकि उत्तर-पश्चिमी भारत की गर्म, शुष्क पवन बंगाल की खाड़ी से नकिलने वाली नम हवा के साथ मिलति है, जसिसे गहरे संवहन बादलों के निर्माण के लयि अनुकूल परस्थितियिँ बनति हैं।
- उत्तर पश्चिमी बिहार में आकाशीय बज्रिली गरिने की घटनाएँ कम होती हैं लेकनि हताहतों की संख्या अधकि होती है। बिहार के ये हसिसे शहरीकृत नहीं हैं और कृषि क्क्षेत्रों के आस-पास आश्रय घनत्व कम हो सकता है। ऐसे प्राकृतकि खतरों के प्रभाव को कम करने में सामाजकि-आर्थकि कारक महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाते हैं।
- आकाशीय बज्रिली गरिने की खतरे की संभावना एक समान नहीं है। स्थलाकृति, ऊँचाई और स्थानीय मौसम संबंधी कारक आकाशीय बज्रिली गरिने के स्थानकि वतिरण को निर्धारति करते हैं।
- अधकि नमी के कारण पूर्वी क्क्षेत्र में आकाशीय बज्रिली की अधकि आवृत्ति देखी जाती है।
- नीति निर्माताओं के लयि भेदयता और हॉटस्पॉट का आकलन करना व शमन उपायों को डज़ाइन करना महत्त्वपूर्ण है।

पछुआ पवन

- वे उपोष्णकटबिंधीय उच्च दाब पेटी से उत्पन्न होती हैं तथा उपध्रुवीय नमिन दाब पेटी की ओर बढ़ति हैं और 35° से 60° अक्षांशों के बीच प्रबल होती हैं।
- ये स्थायी होती हैं लेकनि सर्दियों के दौरान अधकि तीव्र होते हैं। ये गर्म और नम पवन को ध्रुव की ओर ले जाती हैं।
- पछुआ पवन उप ध्रुवीय नमिन दाब क्क्षेत्रों के साथ फ्रंट्स के निर्माण का कारण बनति हैं और चक्रवातों को पश्चिमी सीमा की ओर ले जाती हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/bihar-highest-lightning-related-deaths>

